

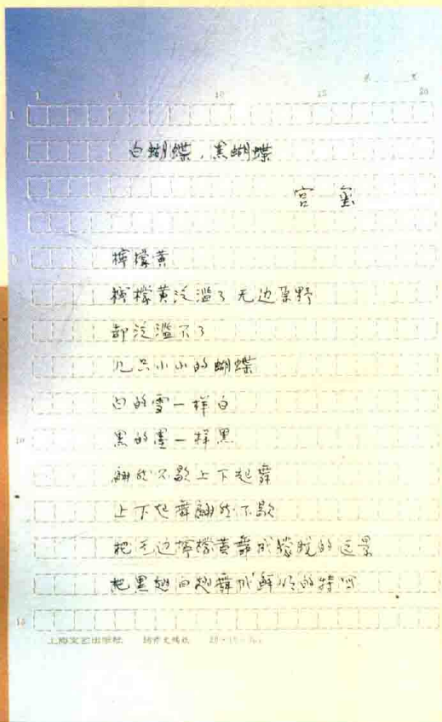
# 宫玺诗稿

Gong

Xi

shi

gao



# 宫玺诗稿

上海文艺出版社

## 内 容 提 要

这是宫玺诗歌创作四十年的一个结集。收诗二百余首。

宫玺说：这不是我的诗选，因为已成书的作品选得很少，而没结集的作品相对地选得多些……

虽然不是宫玺的诗选，却足以展现他不同时期的诗歌创作风貌。

这是他在生活原野上的足迹。

这是他在诗歌创作道路上的足迹。

也是他在艺术领域执著追求与不断探索的足迹。

责任编辑：姜金城

美术装帧：宫 超

### 宫 玺 诗 稿

上海文艺出版社出版、发行

（上海绍兴路74号）

新华书店经销 上海市委党校印刷厂印刷

开本787×1092 1/32 印张10.25 插页2 字数199,000

1998年4月第1版 1998年4月第1次印刷

印数：1—3,000册

ISBN 7-5321-1650-6/I·1341 定价：12.70元

## 目 录

|                |    |
|----------------|----|
| 星空.....        | 1  |
| 荒郊.....        | 2  |
| 啊,多么美好的夜晚..... | 4  |
| 海鸥.....        | 6  |
| 祖国之窗.....      | 7  |
| 银河如琴.....      | 10 |
| 银燕飞去了.....     | 12 |
| 机场静悄悄.....     | 13 |
| 福州.....        | 15 |
| 广州.....        | 16 |
| 雷达站夜歌.....     | 18 |
| 别.....         | 20 |
| 跨.....         | 21 |
| 餐.....         | 23 |
| 跳.....         | 25 |
| 渴.....         | 27 |
| 天空,我们的海洋.....  | 29 |
| 苜蓿草.....       | 31 |

|                  |    |
|------------------|----|
| 路 .....          | 33 |
| 珠贝 .....         | 34 |
| 沉思集 .....        | 35 |
| 寓言诗 .....        | 38 |
| 驴子的荣誉 .....      | 38 |
| 蛇的诉讼 .....       | 39 |
| 蜗牛联亲 .....       | 40 |
| 四个和尚 .....       | 41 |
| 关于斑马的传闻 .....    | 41 |
| 葡萄和狐狸 .....      | 43 |
| 林中的河流 .....      | 44 |
| 琴声 .....         | 46 |
| 最后的飞翔 .....      | 48 |
| 太阳 .....         | 50 |
| 武夷山石工图 .....     | 54 |
| 莫干山风景 .....      | 56 |
| 剑池飞瀑吟 .....      | 56 |
| 袅袅的雾 .....       | 57 |
| 在常春藤攀援的悬崖上 ..... | 57 |
| 漓江 .....         | 59 |
| 海思 .....         | 61 |
| 地平线 .....        | 64 |
| 醒来的江 .....       | 66 |
| 不是桃花不是清明 .....   | 67 |
| 裸 .....          | 68 |

|                      |     |
|----------------------|-----|
| 雁荡山合掌峰 .....         | 69  |
| 塔上榕 .....            | 70  |
| 如果 .....             | 72  |
| 重睹路翎《洼地上的“战役”》 ..... | 74  |
| 煤矿偶拾 .....           | 77  |
| 夜班 .....             | 77  |
| 巷道 .....             | 78  |
| 浴 .....              | 78  |
| 中午,孔林漫游 .....        | 80  |
| 游孔庙我对孔子如是说 .....     | 82  |
| 白蝴蝶,黑蝴蝶 .....        | 84  |
| 牯岭之秋 .....           | 86  |
| 听叶甫图申科朗诵诗 .....      | 87  |
| 风中小芦苇 .....          | 89  |
| 逻辑 .....             | 90  |
| 南京路对话 .....          | 91  |
| 暮 .....              | 94  |
| 山水 .....             | 96  |
| 春夏秋冬(组诗) .....       | 98  |
| 黄河依然是黄河 .....        | 102 |
| 江塔 .....             | 104 |
| 自然 .....             | 105 |
| 独白 .....             | 107 |
| 山村 .....             | 109 |
| 蓝色情绪(组诗) .....       | 113 |

|                      |     |
|----------------------|-----|
| 海之旅·····             | 113 |
| 鼓浪屿月光曲·····          | 114 |
| 钓·····               | 114 |
| 海滨速写·····            | 115 |
| 访舒婷·····             | 115 |
| 卖螃蟹的男孩·····          | 116 |
| 海上乐园·····            | 117 |
| 船过台湾海峡·····          | 117 |
| 伤逝·····              | 119 |
| 午后·····              | 121 |
| 严子陵钓台·····           | 122 |
| 民谣·····              | 123 |
| 绿祭·····              | 124 |
| 我的前身是谁·····          | 125 |
| 鱼话·····              | 127 |
| 春夏秋冬(又一组)·····       | 133 |
| 鹤鸣于野·····            | 137 |
| 蝴蝶之恋·····            | 139 |
| 读《红楼梦》·····          | 141 |
| 吹糖人儿的青年·····         | 143 |
| 采石矶怀李白·····          | 144 |
| 一朵含苞欲放的玫瑰和落日的对话····· | 145 |
| 端午夜独立市郊天空下·····      | 151 |
| 秋水·····              | 152 |
| 日环蚀·····             | 153 |

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 危楼·····            | 154 |
| 异样感觉·····          | 155 |
| 休眠的火山·····         | 156 |
| 昨夜西风·····          | 157 |
| 1987 岁末：中国油画展····· | 158 |
| 圆明园·····           | 160 |
| 未定稿·····           | 161 |
| 蜕·····             | 162 |
| 警觉·····            | 163 |
| 不知榴花为谁开·····       | 164 |
| 海明威之死·····         | 165 |
| 走出峡谷·····          | 167 |
| 一棵芝麻·····          | 169 |
| 幻境·····            | 171 |
| 奇数·····            | 172 |
| 尘思集·····           | 175 |
| 情诗·····            | 178 |
| 颂诗·····            | 179 |
| 奇葩·····            | 181 |
| 赞时传祥·····          | 183 |
| 意念·····            | 185 |
| 童年(组诗)·····        | 186 |
| 认字·····            | 186 |
| 逃学·····            | 187 |
| 四姐出嫁·····          | 187 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 哥哥的警告.....     | 188 |
| 人质.....        | 189 |
| 火劫.....        | 190 |
| 鸟.....         | 191 |
| 苍耳.....        | 191 |
| 最后的大红枣.....    | 192 |
| 梦土组诗.....      | 194 |
| 赤脚行走.....      | 194 |
| 上帝的艺术.....     | 195 |
| 梦土.....        | 197 |
| 老井.....        | 198 |
| 土地爷.....       | 199 |
| 喜鹊.....        | 200 |
| 忆往.....        | 200 |
| 梦中的老橡树.....    | 201 |
| 逝水(组诗).....    | 203 |
| 不辞而别.....      | 203 |
| 多梅的地方老是下雨..... | 204 |
| 歌.....         | 205 |
| 大风雪.....       | 207 |
| 流动的江水.....     | 208 |
| 夏天过去还是夏天.....  | 209 |
| 隐姓名于深山.....    | 210 |
| 果园不是乐园.....    | 211 |
| 还乡.....        | 213 |

|                  |     |
|------------------|-----|
| 林子的空间与时间·····    | 215 |
| 明天·····          | 217 |
| 故事·····          | 219 |
| 怀念延安·····        | 220 |
| 常州秋白故居沉吟·····    | 222 |
| 曙色·····          | 224 |
| 世世代代·····        | 225 |
| 黑发飘洗春江水·····     | 226 |
| 香客·····          | 228 |
| 不能做一只鸟就做一棵草····· | 230 |
| 牛背上的乌鸦·····      | 231 |
| 花说·····          | 232 |
| 鱼的眼睛·····        | 234 |
| 鸟和鸟笼·····        | 235 |
| 玻璃窗上的苍蝇·····     | 236 |
| 影子·····          | 237 |
| 他的名字叫时间·····     | 238 |
| 雪·····           | 239 |
| 西北行止·····        | 240 |
| 迢迢黄土路·····       | 240 |
| 乾陵石像·····        | 241 |
| 乐游原·····         | 242 |
| 石榴·····          | 242 |
| 兵马俑·····         | 242 |
| 华清池·····         | 243 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 题倒淌河·····      | 243 |
| 大雁塔·····       | 244 |
| 半坡遗址·····      | 244 |
| 与狼对视·····      | 245 |
| 朱湘·····        | 247 |
| 临水·····        | 251 |
| 雨中蝴蝶·····      | 252 |
| 海鲜餐厅·····      | 253 |
| 读金庸小说·····     | 254 |
| 临近黄昏·····      | 256 |
| 卖茶叶蛋的老大娘·····  | 257 |
| 海南云南(组诗)·····  | 259 |
| 鹿回头·····       | 259 |
| 天涯海角·····      | 260 |
| 海口吊海瑞·····     | 260 |
| 石林·····        | 261 |
| 蝴蝶泉·····       | 262 |
| 望夫云·····       | 263 |
| 达摩面壁图·····     | 264 |
| 耍猴的人·····      | 266 |
| 多么想看看真理的脸····· | 268 |
| 冷面男子·····      | 269 |
| 记性·····        | 270 |
| 吃江湖饭的先生·····   | 271 |
| 宣纸上的马·····     | 273 |

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 颂·····          | 274 |
| 逃·····          | 275 |
| 无鹊之巢·····       | 277 |
| 看歌剧《楚霸王》小札····· | 279 |
| 野生植物·····       | 280 |
| 从爱出发·····       | 282 |
| 从石头凿取智慧·····    | 283 |
| 白天以太阳为中心·····   | 285 |
| 千万不要骗她·····     | 286 |
| 等待狐友·····       | 288 |
| 我看见一匹马·····     | 290 |
| 鸭·····          | 292 |
| 迫近·····         | 293 |
| 桃园·····         | 294 |
| 疯女人·····        | 295 |
| 乌鸦·····         | 297 |
| 乐队指挥·····       | 299 |
| 绍兴之秋·····       | 301 |
| 山阴道上·····       | 301 |
| 山阴道上(之二)·····   | 301 |
| 越王台·····        | 301 |
| 怀秋瑾·····        | 302 |
| 寻觅风景·····       | 303 |
| 耳鸣·····         | 305 |
| 逆风飞行的鸟·····     | 306 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 晨郊.....   | 308 |
| 而且.....   | 310 |
| 空楼.....   | 311 |
| 蜘蛛.....   | 313 |
| 淘金者.....  | 315 |
| 短歌三唱..... | 317 |
| 守住.....   | 317 |
| 坐尽黄昏..... | 317 |
| 在路上.....  | 318 |

## 星 空

孩子能看到天上的星  
老人能看到天上的星  
孩子看不到他要看的老人  
老人看不到他要看的孩子

夜风从南边吹来  
大雁从北方飞来  
它们传递不了半点音讯  
山在星外，云在山外

1948 年秋

（当年发表于即墨中学《新生》壁报）

## 荒 郊

白云——

飞上青天

红叶——

挂在秋山

黄土堆摇着衰草

似言无言

拾荒的孩子

还记得

一个青年，胸膛

被鬼子刺刀戳穿

只不知，他在地下

是不是合上了双眼？

一年一年

没有人祭奠

只有红叶——

挂在秋山

只有白云——

飞上青天

1948 年秋

(当年发表于即墨中学《新生》壁报)

## 啊，多么美好的夜晚……

啊，多么美好的夜晚！

假如我是个画家，  
我要画这平静的大海，  
画碎银般的月光，  
画闪烁的渔家灯火，  
画帆船在月光下归航……

假如我是个作曲家，  
我要写一首交响乐，  
写波浪的节奏，  
写水鸟的独唱，  
写没有休止符的海风时弱时强……

我不是画家，  
也不是作曲家，  
我是一个海防战士，  
我最好的画，  
最好的歌是